अभ्यास

1. पाठ से

(क) कविता में फ़र्श पर कौन-कौन और क्या-क्या करते हैं?

उत्तर
फ़र्श पर चिड़िया तिनके बिखेर देती है। हवा धूल बिखेर देती है। सूरज धूप बिखेरता है। मुन्ना दूध की कटोरी उलट देता है। मम्मी दाल चावल के बिने दाने बिखेर देती है और पापा जूते बिखेर देते हैं।

(ख) फ़र्श पर सभी के द्वारा कुछ न कुछ काम करने की बात कविता में हुई है, मगर महरी के काम को ही कविता लिखना क्यों कहा गया है?

उत्तर
महरी के काम को ही कविता लिखना कहा गया है क्योंकि वह झाड़ू लगाती है। फिर पोंछा लगाती है और पोंछा लगाते समय कुछ लाइनें छोड़ देती है, इसी को कविता कहा गया है।

6. काम के शब्द

कविता में बहुत से कामों का ज़िक्र किया गया है; जैसे –बीनना, बिखेरना, सजाना, उतारना, समेटना आदि। इन्हें क्रियाएँ कहते हैं। नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। इन्हें उचित क्रिया के साथ लिखो–

पानी, टोकरी, बस्ता, चावल, हथेली, रंग, जूते

.....	**बीनना**
.....	उतारना
.....	बिखेरना
.....	समेटना
.....	सजाना

उत्तर

चावल	**बीनना**
जूते, टोकरी	उतारना
पानी, रंग	बिखेरना
बस्ता	समेटना
हथेली, टोकरी	सजाना

www.dreamtopper.in